Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-404

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination August – 2021

M.A. Darshan, Semester : Fourth
Darshan ; Paper : Fourth

सर्वदर्शन संग्रह–2

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. रामानुजाचार्य जी द्वारा प्रतिपादित मत की तत्व मीमांसा करें।
2. रामानुजाचार्य जी के अनुसार ईश्वर के जो 05 स्वरूप वर्णित हैं। उनका विस्तापूर्वक वर्णन करें।
3. "ब्रह्म और आत्मा के बीच सम्बन्ध" विषय पर आचार्य शंकर एवं आचार्य रामानुज के विचारों को रेखांकित करें।
4. माया, माया के कार्य, माया की विशेषताएँ क्या हैं? इस पर संक्षिप्त प्रकाश डालें।
5. आचार्य शंकर के अद्वैत दर्शन पर टिप्पणी लिखें।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. रामानुजाचार्य जी के अनुसार परब्रह्म कौन है तथा उसके क्या–क्या गुण हैं?
2. संकर्षण, वासुदेव, प्रद्युम्न तथा अनिरूद्ध के विषय में प्रकाश डालें।
3. शंकाराचार्य जी के मायावाद के सिद्धान्त पर प्रकाश डालें।
4. विवर्तवाद क्या है?
5. मायावाद के निराकरण के लिए रामानुजाचार्य जी ने क्या तर्क प्रस्तुत किये उनका उल्लेख करें।
6. रामानुजाचार्य जी के द्वारा किन–किन शास्त्रों की रचना की गयी है?
7. शंकराचार्य जी द्वारा विरचित ग्रंथों का उल्लेख करें।

----------x----------